एक नजर में

युगपुरुष स्वामी परमानंद आज आएंगे, कल सेशिविर

इंदौर. श्रीराम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के सदस्य एवं आचार्य महामंडलेश्वर युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के सानिध्य में 21 जुलाई से खंडवा रोड स्थित अखंड परम धाम आश्रम पर प्रारंभ होने वाले ध्यान-साधना शिविर की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. युगपुरुष स्वामी परमानंद महाराजा रविवार, 20 जुलाई को शाम को सड़क मार्ग से इंदौर आएंगे. शिविर में अमेरिका, आस्ट्रेलिया सहित देश-विदेश के अनेक साधक भागीदार बनेंगे. अखंड परमधाम सेवा समिति के अध्यक्ष किशनलाल पाहवा, श्यामलाल मक्कड़, विजय शादीजा एवं रामबाबू अग्रवाल ने बताया कि खंडवा रोड आश्रम पर आयोजित योग-ध्यान साधना शिविर में अनेक धार्मिक, सामाजिक सगंठनों के पदाधिकारी भी शामिल होंगे. शिविर में बाहर से आने वाले साधकों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था भी आश्रम पर उपलब्ध रहेगी. शिविर के प्रचार हेतु एक विशेष रथ बनाया गया है, जो खंडवा रोड एवं आसपास के क्षेत्रों सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर योग, ध्यान, प्राणायाम आदि के माध्यम से होने वाले लाभों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत कर साधकों को शिविर में आने का न्यौता दे रहा है. युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज रविवार की शाम को भोपाल से इंदौर पधारेंगे और खंडवा रोड स्थित आश्रम पर ठहरेंगे. इसके पूर्व पिछले कई वर्षों से यह शिविर साउथ तुकोगंज स्थित पंजाब अरोड़वंशीय भवन पर होते आ रहा था।

नारायण शैक्षणिक योग्यता परीक्षा अक्टूबर में

इंदौर. नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने एनसेट के 20 वें संस्करण की घोषणा की है. नारायण शैक्षणिक योग्यता परीक्षा (एनसेट)-2025 प्रतिष्ठित वार्षिक परीक्षा छात्रों को 50 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्तियाँ और 1 करोड़ रुपए से अधिक के नकद पुरस्कार प्रदान करेगी. कक्षा 5 से 11 (साइंस स्ट्रीम) तक के छात्रों के लिए खुली इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों के ज्ञान, लॉजिकल रीजनिंग, और प्रॉब्लम सोल्विंग एबिलिटी का आकलन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा. यह परीक्षा 300 से अधिक शहरों में आयोजित की जाएगी और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को समान अवसर प्रदान करेगी. छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, एनएसएटी 2025 ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रारूपों में आयोजित किया जाएगा. परीक्षाएं 5, 12, 19 और 26 अक्टूबर 2025 को निर्धारित की गई हैं. नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. पी. सिंधुरा और पी. शरनी ने कहा एनएसएटी का 20वां संस्करण अब तक का सबसे प्रभावशाली होगा, जो देशभर के 3,000 से अधिक स्कूलों के छात्रों तक पहुंचेगा. साइंस, गणित और मेंटल एबिलिटी के मूल्यांकन के साथ एनएसएटी तार्किक सोच को बढ़ावा देता है और एक समान मंच तैयार करता है.

किर्लोस्कर ब्रदर्स को गोल्डन पीकॉक अवार्ड सम्मान

इंदौर. द्रव प्रबंधन समाधान क्षेत्र में अग्रणी कंपनी किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड (केबीएल) को पर्यावरण प्रबंधन की श्रेणी में प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड से सम्मानित किया गया है. यह पुरस्कार बेंगलुरु में आयोजित निदेशक संस्थान (इन्स्टिट्यूट ऑफ दिरेक्टर्स) के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया गया, जिसका विषय पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन था। इस मंच पर देश-विदेश से उद्योग जगत के दिग्गज, नीति-निर्माता और सतत विकास विशेषज्ञ एकत्रित हुए थे. कंपनी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा यह पुरस्कार हमारे पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति दीर्घकालिक समर्पण का प्रमाण है. किर्लोस्कर ब्रदर्स में हम मानते हैं कि औद्योगिक प्रगति और पारिस्थितिक संतुलन को साथ-साथ चलना चाहिए.

एसएसजी में नि:शुल्क ओपीडी शिविर आज से

इंदौर. एएसजी आई हॉस्पिटल ने इंदौर में अपनी 6वीं वर्षगाँठ उत्साहपूर्वक मनाई. इस अवसर पर आयोजित समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें समस्त एएसजी परिवार मौजूद रहा. कार्यक्रम में डॉ. विनीत मूथा, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. महेश बिरला, डॉ. वाफी अंसारी और डॉ. दीपक सोनी शामिल हुए. वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में 20 जुलाई से 20 अगस्त तक अस्पताल परिसर में नि:शुल्क ओपीडी (प्राथमिक नेत्र जाँच) शिविर का आयोजन किया जाएगा. मेडिकल डायरेक्टर इंदौर ज़ोन, डॉ. विनीत मूथा ने बताया कि अब तक हॉस्पिटल में 1 लाख 5 हज़ार से अधिक नेत्र परीक्षण एवं 22 हज़ार से अधिक सफल सर्जरी की जा चुकी हैं. चेन्नई और अहमदाबाद जैसे शहरों में अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधाएँ मौजूद हैं, वैसी ही सुविधाएँ अब इंदौर में भी उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है. हम चाहते हैं कि इंदौर शहर न सिर्फ सफाई में, बल्कि आँखों की चिकित्सा सेवाओं में भी देश में नंबर वन बने. बच्चों की दृष्टि के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा आजकल बच्चों की दृष्टि काफी कमजोर होने लगी है. पेरेंट्स को चाहिए कि वे 10 साल तक के बच्चों को डिजिटल गैजेट्स 1 घंटे से भी कम समय के लिए दें दे सकते हैं. इसके साथ ही, बच्चों की आउटडोर एक्टिविटीज़ बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए. आजकल, बच्चों का बाहर खेलना बंद हो गया है, इसलिए हर दूसरे बच्चे को चश्मा लगा हुआ है. ऐसे में, आउटडोर एक्टिवीटिज़ बढ़ाना और स्क्रीनटाइम कम करना बहुत जरुरी है.

योद्धा इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ईपॉड लांच

इंदौर. भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार को नया आकार देने के उद्देश्य से योद्धा ब्रांड ने अपने पहले उत्पाद ईपॉड को राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया है. हालांकि इस वाहन की घोषणा देशभर के लिए की गई है, लेकिन इसकी पहली बिक्री और रोलआउट असम बिहार, और मध्यप्रदेश से शुरू किया जा रहा है. योद्धा ईपॉड एक अत्याधुनिक तकनीक से युक्त पैसेंजर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर है, जो एक बार फुल चार्ज होने पर 227 किलोमीटर तक चल सकता है. योद्धा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आयुष लोहिया का कहना है हम सिर्फ एक वाहन नहीं दे रहे, हम आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ कमाई का ज़रिया पेश कर रहे हैं. योद्धा ईपॉड उन सभी भारतीय ड्राइवरों और उद्यमियों के लिए है, जो तकनीक, भरोसे और पहचान के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं.

एआईएएमए एक्सपो 2025 की घोषणा की

इंदौर. ऑल इंडिया अगरबत्ती मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (एआईएएमए) ने एआईएएमए एक्सपो 2025 की घोषणा की है — एक अंतरराष्ट्रीय अगरबत्ती एक्सपो और कॉन्फ्रेंस जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक अगरबत्ती निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है. यह तीन दिवसीय आयोजन 6 से 8 नवम्बर 2025 के बीच बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा और इसकी थीम 'परंपरागत रूप से आधुनिक' रखी गई है. इस पहल की घोषणा संगठन के पदाधिकारियों — अंबिका रामनजनेयुलु, अध्यक्ष एआईएएमए व निदेशक, अंबिका अगरबत्ती एरोमा एंड इंडस्ट्रीज, अर्जुन रंगा-चेयरपर्सन एआईएएमए एक्सपो 2025 व पूर्व अध्यक्ष एआईएएमए एवं प्रबंध निदेशक, साइकिल प्योर अगरबत्ती, श्री कृष्णा टी. वी.- उपाध्यक्ष एआईएएमए व निदेशक, अमृता एरोमैटिक्स, शरत बाबू पी. एस., पूर्व अध्यक्ष एआईएएमए व निदेशक, बीजु सुगंधी और ए.एस.एम. हुसैन गुफ़रान, चेयरमैन प्रोग्राम कमेटी, एआईएएमए एक्सपो 2025 व निदेशक, ओरिएंटल अगरबत्ती — द्वारा बेंगलुरु स्थित चांसरी पवेलियन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई. एआईएएमए द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत और वैश्विक स्तर पर पूजा-सामग्री, विशेष रूप से अगरबत्ती की मांग, पिछले पांच वर्षों में तेज़ी से बढ़ी है। यह एक्सपो उद्योग के बेहतरीन उत्पादों का प्रदर्शन करेगा और सीखने एवं नेटवर्किंग के लिए एक शानदार मंच प्रदान करेगा.

स्कोडा का नेटवर्क और भरोसा दोनों फैला

इंदौर. भारत में 25 साल और दुनिया भर में 130 साल की शानदार विरासत के साथ स्कोडा ऑटो नए मुकाम गढ़ रही है. कंपनी ने इस महीने 2025 की पहली छमाही में अपनी अब तक की सबसे ज़बरदस्त बिक्री दर्ज की है — और अब एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में ब्रांड ने देश के 172 शहरों में 300 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्स का आंकड़ा पार कर लिया है. ग्राहक अनुभव को बेहतर से बेहतरीन बनाना स्कोडा ऑटो की भारत में तेज़ रफ्तार विकास रणनीति का मूल मंत्र है. देशभर में तेज़ी से बढ़ता यह नेटवर्क, न केवल स्कोडा की बढ़ती पहुँच का प्रमाण है, बल्कि भारतीय ग्राहकों के बीच उसके मज़बूत होते भरोसे की कहानी भी कहता है. स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा हमारे नेटवर्क के विस्तार से हमारी कारें और सेवाएं अब ज़्यादा लोगों तक पहुंच रही हैं. इससे ग्राहकों को देशभर में तेज़, भरोसेमंद और गुणवत्ता से भरपूर सेवा मिल रही है। हम 'ग्राहकों के और करीब आने' और 'साथ मिलकर आगे बढ़ने' की सोच के साथ काम कर रहे हैं. इसी के तहत हमने अपने पुराने, भरोसेमंद डीलर साझेदारों के साथ सहयोग को और मज़बूत किया है और कुछ नए, ग्राहक-केंद्रित साझेदारों को भी जोड़ा है.

भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा नीति से भारत विश्व गुरू बनेगा : परमार

- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नए डिजाइन संस्थान का उच्च शिक्षा मंत्री ने किया शुभारंभ
- एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा तैयार सिविल इंजीनियरिंग विभाग की अनुसंधान और कंसल्टेंसी प्रयोगशाआ लोकार्पित

इंदौर. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को आधार बनाया गया है, जो भारत की वास्तविक पहचान है. भारतीय ज्ञान परंपरा में भारत के स्व की पहचान है, जिस पर हम सभी को गर्व होना चाहिये. भारत केंद्रित शिक्षा नीति से ही 2047 तक भारत विश्व गुरू होगा. राष्ट्र का पुन:निर्माण केवल शिक्षा से ही संभव है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ही स्कूली शिक्षा में भी बच्चों के कंधों से बस्तों का बोझ कम किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ कॉलेजों में बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती की जा रही है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सफल बनाने की महती जिम्मेदारी शिक्षकों की है.

यह विचार उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुषी मंत्री इंदर सिंह परमार ने व्यक्त किये. वे शनिवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डिजाइन संस्थान के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे. श्री परमार ने कहा, शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिये हर स्तर पर प्रयास होना चाहिये। कहीं से तो प्रयास आरंभ करना ही होगा, तो क्यों न हम ही अपने स्तर पर पहला कदम उठाये. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के हर स्तर पर सुधार किये जा रहे है. कोर्स डिजाइन करने, प्रवेश परीक्षा को सरल करने, समय पर परीक्षा कराने, रिजल्ट जारी करने जैसे कई काम इसमें शामिल है.

डिजाइनिंग के क्षेत्र में आने वाले समय में लाखों नौकरियां

अध्यक्षता कर रहे कुलगुरू डॉ. राकश सिंघई ने कहा, विश्वविद्यालय अपने आप में एक शक्तिशाली इकाई है और इसका गौरवशाली इतिहास भी रहा है. जरूरत नवाचार करने की है, जिस पर हम लगातार काम कर रहे है. डिजाइन संस्थान के आरंभ होने पर श्री सिंघई ने कहा कि इस विभाग के साथ भारतीयता जुड़ी हुयी है. नटराज की मूर्ति की डिजाइन ही हमारी भारतीयता का प्रतीक है. डिजाइनिंग अपने आप में एक महत्वपूर्ण कला है, जिस पर काम किया जाना चाहिये. डिजाइनिंग के क्षेत्र में आने वाले समय में असीम संभावनाएं है. एक रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक डिजाइनिंग के क्षेत्र में ही 60 लाख से अधिक नौकरियां होगी.

शोध और प्लेसमेंट पर पूरा जोर हो

कार्यपरिषद सदस्य एके द्विवेदी ने कहा, विश्वविद्यालय लगातार नए नवाचार कर रहा है. कुलपति डॉ सिंघई का दृष्टिकोण इस दिशा में बहुत महत्वपूर्ण और कारगर साबित हो रहा है। शोध और प्लेसमेंट पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिये. आयुष मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय में शोध केंद्र की स्थापना की जा रही है. इस अवसर पर एलुमिनाई एसोसिएशन के प्रीतिश महाजन और क्षितिज गोयनका का उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा अभिनंदन किया गया।अतिथियों ने पौधरोपण करने के साथ ही आईईटी एलुमिनाई एसोसिएशन के सहयोग से तैयार की गई सिविल इंजीनियरिंग विभाग की अनुसंधान और कंसल्टेंसी प्रयोगशाला का लोकार्पण किया. कार्यपरिषद सदस्य मोनिका गौड़, ओम शर्मा, अनंत पवार विषश रूप से मंच पर उपस्थित थे. संचालन डॉ रक्षा उपाध्याय ने किया. आभार रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे ने माना.

विश्वविद्यालय के लिए मास्टर प्लान जरूरी

विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मधु वर्मा ने कहा, शिक्षा मंत्री के रूप में इंदरसिंह परमारजी ने शिक्षा को नई दिशा दी है. देश को एक गौरवशाली शिक्षा नीति की आवश्यकता थी, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने पूरा किया है. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पास 300 एकड़ से अधिक जमीन है, जिस पर एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जाना चाहिये. आने वाले समय में विश्वविद्यालय का विकास होगा, जिसके लिये मास्टर प्लान जरूरी है.

कलेक्टर ने 11 कॉलोनाइजर को प्लॉट राजसात करने के दिए नोटिस

- ट्रेजर फेंटेसी, ओएस्टर, ज्ञान शीला जैसी नामचीन कॉलोनियां ने नहीं किया विकास

नव भारत न्यूज

इंदौर. पिछले कई सालों से प्लॉट बेचकर कॉलोनी का विकास नहीं करने वाले कॉलोनाइजर को कलेक्टर ने प्लॉट राजसात करने के नोटिस दिए है. कॉलोनाइजर को 7 दिन में जवाब विकास नही करने कारण बताने के लिए कहा है. कॉलोनाइजर के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर प्लॉट राजसात करने की कारवाई की जाएगी. खास बात यह है कि पिछले सप्ताह ही कलेक्टर ने 17 कॉलोनाइजर को नोटिस जारी किए थे.

कॉलोनियों में प्लॉट बेचकर विकास नहीं करने वाले कॉलोनाइजर के विरुद्ध प्रशासन की लगातार कारवाई जारी है. पिछले हफ्ते कलेक्टर आशीष सिंह ने 17 कॉलोनाइजर को नोटिस जारी किया थे. आज फिर 11 नामचीन कॉलोनी के मालिकों को नोटिस दिए है.

इसमें ट्रेजर फेंटेसी, ओएस्टर ज्ञान शीला जैसी नामचीन और बड़ी कॉलोनियां शामिल है. ध्यान रहे कि पूर्व में भू कलेक्टर आशीष सिंह ने कुछ कॉलोनियों के प्लॉट आईडीए के माध्यम से बेचकर विकास के राशि जुटाई है. कॉलोनी सेल प्रभारी और अपर कलेक्टर गौरव बैनल उक्त कॉलोनियों का विकास पिछले कई सालों से नहीं करने को लेकर प्लॉट धारकों ने शिकायत की थी.

उक्त सभी कोलनाइजर के नोटिस जारी कर पूछा है कि विकास क्यों नहीं किया और उसका क्या कारण है. साथ ही नोटिस में क्यों न विकास नही करने कर चलते कॉलोनी के प्लॉट राजसात कर लिए जाएं?

इनको दिया नोटिस

- एस एस ग्रीन, अमित पिता प्रेम गोयल, बोरखेड़ी, महू
- ज्ञानशीला सिटी, विद्युत पिता ज्ञानचंद मित्तल, महूगांव, महू
- ओएस्टर ग्रीन माउंट सिटी 2, अरुण अग्रवाल, मिर्जापुरम, बिचौली हप्सी
- एस सिटी, अंकित पिता अशोक जैन, पालाखेड़ी, मल्हारगंज
- मां क्षिप्रा विहार, अरुण सिंह पिता छतर सिंह ठाकुर, पीरकराडिया, सांवेर
- स्मार्ट सिटी, मुस्तफा पिता अकबर अली बोहरा, गौतमपुरा, देपालपुर
- गोल्डन वैली, मुकेश पिता हरिसिंह, दूधिया, बिचौली हप्सी
- ट्रेजर फेंटेसी, निरजकुमार पिता मोहनलाल जैन, रंगवासा, राऊ
- एम 3 मार्डन सिटी, देवदंद्र श्रीवास, हातोद
- अचिरा पाम, मनोज पिता परमानंद श्राफ, सिमरोल, महू
- सिद्धि ओलंपियाड अतुल पिता पुष्पराज कांकरिया

सात दिन का दिया समय

अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि प्रशासन द्वारा 4 से 12 का समय बीतने वाले कॉलोनाइजर को नोटिस दिए है. कॉलोनी सेल से अनुमति के बाद भू कई वर्षो से डेवलपमेंट नहीं किया जा रहा है और प्लाट धारक परेशान हो रहे है. सात दिन का समय दिया है और कॉलोनाइजर के जवाब से प्रशासन संतुष्ट नहीं हुआ तो प्लॉट राजसात कर विकास किया जाएगा.

सभी जोनल कार्यालय पर महिलाओं के लिए आज लर्निंग लाइसेंस शिविर

- निगम का ट्रैफिक मित्र महा अभियान
- सुबह 10 से दोपहर 2बजे तक रहेगा शिविर का समय

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम ट्रैफिक मित्र अभियान के तहत सभी झोन कार्यालय पर महिलाओं के लर्निंग लाइसेंस बनाने का शिविर लगा रहा है. शिविर का समय सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा. शिविर में यातायात पुलिस, परिवहन विभाग और निगम के अधिकारी सहायता के लिए उपस्थित रहेंगे.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि आज महिलाओं के निशुल्क लर्निंग लाइसेंस बनाने के शिविर लगेंगे. निगम के सभी झोनल कार्यालय पर सुबह 10 बजे से 2 बजे तक ट्रैफिक मित्र महा अभियान के तहत परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वाधान मे महिलाओं के लिए नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस बनाए जाएंगे. लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए आवश्यक दस्तावेज में आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर लगेगा. महापौर भार्गव ने अपील की है कि माताएं, बहने अपने नगर निगम के निकटम जोनल कार्यालय पर जा कर नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस बनाने का लाभ ले. शिविर में दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन और बिना गेयर - दो पहिया वाहन के महिलाओं के निशुल्क लर्निंग लाइसेंस बनाए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए अपने वार्ड पार्षद या व्हाट्सएप नम्बर 9009041414 या क्यू आर कोड स्कैन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मिस यूनिवर्स इंडिया के प्रतिभागियों ने लांच किया डीपी दिवा कलेक्शन

नव भारत न्यूज

इंदौर। आगामी फेस्टिवल्स और वेडिंग सीजन को देखते हुए नए ट्रेंड्स के साथ डीपी ज्वैलर्स ने डीपी दिवा कलेक्शन को लांच किया है. यह कलेक्शन है परंपरा और आधुनिकता का संगम- जहाँ गोल्ड, डायमंड और पोल्की के अनमोल गहनों को बेजोड़ नज़ाकत और खूबसूरती से तराशा गया है.

इस सीज़न, मिस यूनिवर्स इंडिया के सभी प्रतियोगियों ने डीपी दिवा के डिज़ाइनों को पहनकर भारतीय कला की भव्यता को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया है. इस कलेक्शन में हर गहना एक कहानी कहता है. डीपी ज्वैलर्स के संतोष जी कटारिया ने बताया कि डीपी दिवा कलेक्शन परंपरा और ट्रेंड का मिलन है और अब यह मिस यूनिवर्स प्रतियोगियों की भी पहली पसंद है. इस बार आगामी त्योहारों को देखते हुए लाइट वेट से लेकर ब्राइडल तक विस्तृत रेंज इस कलेक्शन में लांच की गई.

डीपी दिवा कलेक्शन में गोल्ड, हीरा और पोल्की के एक से बढ़कर एक शाही ज्वैल्स का संगम देखने को मिलेगा. डीपी ज्वैलर्स के अनिल कटारिया ने कहा कि कस्टमर्स को पीढ़ी दर पीढ़ी अपने साथ जोड़े रखना और उन्हें हमेशा सही दाम पर शुद्ध और सर्वश्रेष्ठ ज्वेलरी देना ही डीपी ज्वेलर्स की प्राथमिकता है. कस्टमर्स की पसंद और बजट को देखते हुए डी.पी. ज्वेलर्स पर हर तरह की ज्वेलरी उपलब्ध है. डी.पी. ज्वेलर्स एक परंपरा है जिसे 30 लाख से अधिक ग्राहकों ने पूरे विश्वास के साथ चुना हैं तो यह हमारे लिए एक उपलब्धि भी होती है और जिम्मेदारी भी.

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों ने भी की भागीदारी

नवभारत न्यूज

इंदौर. चाचा नेहरू अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए कार्यरत संस्था थैलेसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप इंदौर ने प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी कार्यक्रम आयोजित किया. ग्रुप अध्यक्ष डॉ. रजनी भंडारी के नेतृत्व में मेंबर्स पूर्णिमा रावत, फरीदा कौल, फ़िरदौस नाहिद, पुष्पा अग्रवाल, चंदा शर्मा, पद्म विजयवर्गीय, प्रेरणा शेंत्र ग्रीन कलर के परिधान में एकत्रित हुई.

मुख्य अतिथि मर्चेंट नेवी ऑफिसर शशांक चौधरी थे. वार्ड में भर्ती सभी 25 थैलेसीमिया पीड़ित बच्चो को एक-एक पौधा और स्नैक्स का एक बॉक्स भेंट किया. सभी को कहा गया कि सभी बच्चे ये पौधा अपने-अपने घरों में अपनी मम्मी के साथ लगाएंगे और उसकी फोटो ग्रुप को भेज देंगे. चाचा नेहरू हॉस्पिटल के गार्डन में दो बच्चों के हाथ से दो पौधे लगवाए गए. वार्ड के चारों नर्सेस को भी एक-एक पौधा भेंट किया गया. संचालन डॉ. रजनी भंडारी ने किया. आभार माना पूर्णिमा रावत ने.

ट्रैफिक पार्क में वरिष्ठ नागरिकों ने पौधे रोपे

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिक कल्याण केंद्र के सदस्यों ने रेसीडेंसी एरिया स्थित ट्रैफिक पार्क में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे. इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल भारत शासन के न्यायिक सदस्य पीएम जोशी मुख्य अतिथि बतोर उपस्थित थे.

इस मौके पर जोशी ने कहा कि पेड़ - पौधे हमारी राष्ट्रीय धरोहर है. इसकी सुरक्षा करना हमारा सभी का कर्तव्य है. केंद्र के अध्यक्ष पुरुषोत्तम वाघमारे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हरियाली महोत्सव के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया. पौधारोपण कर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण दे सकते हैं. इस अवसर पर महेश अग्रवाल, नारायण पंडौल, कृष्ण गोपाल अग्रवाल धीरूभाई सक्सेना, इंदरसिंह ठाकुर, संजय चौहान आनंद अरोड़ा, ओ पी कोटिया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे. पौधे वन विभाग के सौजन्य से प्राप्त हुए.

यात्रा राज नगर क्षेत्र में सफाई मित्रों का सम्मान समारोह

वार्ड 5 में सफाई मित्रों की निकाली सम्मान यात्रा

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर को देश में स्वच्छता में सर्वोच्च स्थान दिलाने पर सफाई मित्रों का आज राज नगर में सम्मान किया गया। समान समारोह निगम राजस्व प्रभारी एवं पार्षद निरंजन सिंह चौहान (गुड्डू) के वार्ड 5 में किया गया.

नगर निगम के वार्ड 5 एमआर आज सफाई मित्रों को घोड़ा बग्गी में बैठाकर क्षेत्र में घुमाया गया। इंदौर के 8 वीं बार स्वच्छता में सिरमौर बनने के बाद आज सफाई मित्रों और बहनों का सम्मान किया गया. वार्ड 5 की विभिन्न गालियों में जुलूस निकाल कर रहवासियों द्वारा सफाई कर्मियों का हार फूल से स्वागत किया गया. इस मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई, दरोगा, एनजीओ की टीम, बड़ी संख्या में सफाई मित्र एवं क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित थे. कार्यक्रम में उपस्थित सभी सफाई मित्रों को मंच पर सम्मानित किया गया. क्षेत्र के पार्षद

निरंजन सिंह चौहान ने कहा कि हमारे सफाई मित्र इंदौर शहर की असली पहचान हैं. उनके अथक परिश्रम और समर्पण से ही आज हमारा शहर स्वच्छता के शीर्ष स्थान पर है. महापौर ने निगम कर्मचारियों को उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए स्वास्थ्य बीमा योजना की सौगात दी है.

कार्य कुशलता और ईमानदारी की मिसाल : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर की सफलता का कारण केवल सर्वेक्षण के समय की तैयारी नहीं, बल्कि पूरे वर्ष सफाई मित्रों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सतत सहभागिता है. सफाई का कार्य सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कार्य कुशलता और ईमानदारी की मिसाल है. इसको हमारे सफाई मित्र पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं. हम मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री से आग्रह हैं कि निगम के सफाई मित्रों और ड्रेनेज कर्मचारियों को अर्धकुशल से कुशल श्रेणी में स्थानांतरित किया जाएं.